SHRI Y.S. CHOWDARY: Sir, the hon. Minister, in the answer, has mentioned "one year from finalisation of agreement with the entrepreneurs". But, what is the date for the entrepreneurs to finalise the agreement? That is not mentioned. ...*(Interruptions)*... Construction time is mentioned as one year from the date of finalisation of agreement with the entrepreneurs. But, what is the last date for finalising these agreements with the entrepreneurs?

SHRI SHARAD PAWAR: Sir, in fact, recently, we have issued an order that within 62 days, the FCI has to complete the entire procedure and they are already on this line.

MS. MABEL REBELLO: Sir, the Minister, in his reply, has said that space for almost 15 million tonnes capacity storage will be buiit over a period of one year. I would like to know from the hon. Minister: Will this capacity, which he is planning to create, be sufficient to store all our foodgrains? Will that capacity be spread all over the country so that not even a single grain of foodgrains is wasted? This is what I would like to know.

SHRI SHARAD PAWAR: Sir, generally, foodgrains are kept in two types of warehouses. One is covered and we keep about 40 to 41 million tonnes in them. And the other is CAP. We just construct a small platform, wooden platform, and then we covered it by tarpaulin. That caters to about 13 to 14 million tonnes. Whatever is required for that CAP, that is, for about 149 lakh tonnes, we are taking that up. Our desire is that we do not want to continue with CAP. We don't want to keep anything in open. Everything should be under cover. Whatever is the requirement as on today or whatever is the gap between availability and non-availability, that gap will be filled and that gap will be somewhat about 140 lakh tonnes. We are constructing for about 149 lakh tonnes.

लखनऊ और हरदोई के बीच लोकल रेलगाड़ी

*284. **श्री नरेश चन्द्र अगवाल** : क्या **रेल** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि उत्तर प्रदेश में लखनऊ और हरदोई के बीच रेल द्वारा प्रतिदिन लाखों यात्री यात्रा करते हैं;

(ख) यदि हां, तो क्या सरकार उन यात्रियों की सुविधा के लिए लखनऊ और हरदोई के बीच लोकल रेलगड़ी चलाएगी; और

(ग) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री ई. अहमद): (क) से (ग) एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

विवरण

(क) जी, नहीं। लखनऊ और हरदोई के बीच रोजाना लगभग 6000 यात्री आते-जाते हैं।

(ख) और (ग) लखनऊ और हरदोई के बीच 28 जोड़ी रेलगाड़ियां उपलब्ध हैं। इस समय संसाधनों की तंगी और परिचालनिक कठिनाइयों के कारण लखनऊ और हरदोई के बीच नई लोकल गाड़ी चलाने का कोई प्रस्ताव नहीं है।

Local train between Lucknow and Hardoi

†*284. SHRI NARESH CHANDRA AGRAWAL: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that lakhs of daily passengers travel everyday by train between Lucknow and Hardoi in Uttar Pradesh;

(b) if so, whether for the facility of those passengers, Government would run a local train between Lucknow and Hardoi; and

(c) if not, the reasons therefor?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI E. AHAMMED): (a) to (c) A Statement is laid on the Table of the Sabha.

Statement

(a) No, Sir. Around 6000 passengers travel daily to and fro between Lucknow and Hardoi.

(b) and (c) 28 pairs of trains are available between Lucknow and Hardoi. At present, there is no proposal to introduce any new local train between Lucknow and Hardoi due to operational and resource constraints.

श्री नरेश चन्द्र अग्रवाल : श्रीमन्, आपकी अनुमति से मैं माननीय मंत्री जी से, थोड़ा सा रुक के मैंने इनको मंत्री जी इसलिए कहा, हो सकता है जो आश्वासन दें वे पूरा नहीं कर पाएं, क्योंकि वे पूरी पॉवर से लैस नहीं हैं।

श्री सभापति : आप सवाल पूछिए।

---

†Original notice of the question was received in Hindi

श्री नरेश चन्द्र अग्रवाल : मैं माननीय मंत्री जी से यह जानना चाहता हूं, यह तो हमें भी मालूम था, वैसे लखनऊ-हरदोई के बीच जो पैसेंजर संख्या छः हजार दी है, वह करीब बीस हजार है, जो डेली पैसेंजर चलते हैं। श्रीमन्, चूंकि जो ट्रेनें चलती हैं, इन्होंने कहा कि 28 ट्रेनें चलती हैं उनमें कोई अनरिजर्व्ड बोगी नहीं होती है और सभी पैसेंजर्स उन बोगियों में चलते हैं जो रिजर्व्ड होती हैं, जिससे अन्य यात्रियों को भी परेशानी होती है। तो मैं माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि उन्होंने जो छः हजार की फिगर्स निकाली है उसका आधार क्या है, जबकि मेरा मानना है कि वहां बीस हजार से ज्यादा पैसेंजर्स रोज चलते हैं? दूसरा, आपने हमारे पहले सवाल के जवाब में यह कहा था कि जब रेल लाइन इलेक्ट्रिफाइड हो जाएगी तब इस पर ट्रेन चलाई जाएगी। चूंकि अब यह रेल लाइन इलेक्ट्रिफाइड हो गई है तो अब तक ट्रेन न चलाए जाने का क्या कारण है? आपने यह भी कहा कि हम नहीं चलाएंगे। तो इसका क्या कारण है, यह हमें बतला दें?

SHRI E. AHAMMED: Mr. Chairman, Sir, what I have given in my reply is that the Railways has been. ...*(Interruptions)*...

श्रीमती वृंदा कारत : ये आवाज से लैस हैं। ...(**व्यवधान**)...

SHRI TIRUCHI SHIVA: Mike is not working ...*(Interruptions)*...

MR. CHAIRMAN: Please switch on the mike. ...*(Interruptions)*...

श्री नरेश चन्द्र अग्रवाल : सर, आवाज नहीं आ रही है। ...(**व्यवधान**)...

MR. CHAIRMAN: Please. ...*(Interruptions)*...

श्री नरेश चन्द्र अग्रवाल : सर, आवाज नहीं आ रही है। ...(**व्यवधान**)...

SOME HON. MEMBERS: Sir, no sound is coming ...*(Interruptions)*...

MR. CHAIRMAN: Please let the Minister finish.

SHRI E. AHAMMED: Anyway, it is not my fault. Sir, as per the assessment of the Railways, there are 6000 passengers to and fro for which 28 trains are running in this route, and according to the Railways, the provision of additional train services is an on-going process, subject to the operational feasibility and availability of demand, traffic, and resources. New train services which are to be introduced during the course of a financial year are announced every year in the Railway Budget speech. The services are introduced during the course of the financial year based on availability of

the rolling stock, completion of gauge conversion work, new lines and development of requisite facilities. According to the Railways, the present level of services is very much sufficient. Each of the 28 trains running between Hardoi and Lucknow has, at least, 2 general class and 2 second class-cum-guard-cum-luggage coaches for unreserved passengers and it is very much sufficient as per the assessment made by the Railways.

श्री नरेश चन्द्र अग्रवाल : सभापति महोदय, मैंने बिल्कुल साफ पूछा है और माननीय मंत्री जी ने अपने जवाब में कहा है कि छह हजार रेलवे के सर्वे के अनुसार हैं, इस पर मैंने माननीय मंत्री जी से पूछा था कि सर्वे का मानक क्या है, आखिर वह मानक तो बतायें कि इन्होंने छह हजार किस नीति से असेस किया है, जबकि मेरी अपनी निश्चित जानकारी है। उपसभापति महोदय, अगर सदन में कोई माननीय सदस्य निश्चित जानकारी देते हैं, तो उसको गंभीरता से माननीय मंत्री जी को लेना चाहिए। हम भी वहां के लोकल रहने वाले हैं। हम जो जानकारी देंगे, वह आफिशियल जानकारी से ज्यादा अच्छी देंगे। मेरी निश्चित जानकारी है कि बीस हजार से अधिक पैसेंजर्स चलते हैं। माननीय मंत्री जी, खुद ही कह रहे हैं कि दो अनरिजर्व्ड बोगीज़ चलती हैं। वहां के लोगों को बहुत परेशानी होती है। मैं माननीय मंत्री जी से दो बातें पूछना चाहता हूं। एक तो आप यह बताइए कि आपने जो मानक बनाए हैं, इन मानकों के अनुसार उत्तर प्रदेश में कितने प्लेसिज़ आते हैं, जहां पर लोकल ट्रेनें चलनी चाहिएं? जहां पर लोकल ट्रेनों की वेलेडिटी हैं, वहां पर आप कब लोकल ट्रेनें चलाने की घोषणा करेंगे? ...(**व्यवधान**)...

MR. CHAIRMAN: That is outside the scope of this question.

श्री नरेश चन्द्र अग्रवाल : सभापति महोदय, यह इसी से संबंधित है। सर, हमें आपका संरक्षण चाहिए। ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति : आप अपना सवाल पढ़िए। ...(**व्यवधान**)...

श्री नरेश चन्द्र अग्रवाल : सभापति महोदय, मैं अपने छोटे से तजुर्बे के आधर पर सवाल पढ़ रहा हूं। वहां तो लिखा हुआ मिल रहा है, यहां तो दिमाग से पढ़ रहा हूं। ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति : नहीं, देखिए। ...(**व्यवधान**)...

श्री नरेश चन्द्र अग्रवाल : सभापति महोदय, हम तो सिर्फ अपना दिमाग लगा रहे हैं। ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति : नहीं-नहीं, देखिए। अगर आप जवाब को गलत समझते हैं, तो आप उसको चेलेंज कीजिए। वह एक अलग चीज़ है। ...(**व्यवधान**)...

श्री नरेश चन्द्र अग्रवाल : सभापति महोदय, आप भी यू.पी. के हैं, आप हमें थोड़ा-सा संरक्षण दे दीजिए। सभापति महोदय, हम इसी पर आते हैं। माननीय मंत्री जी, मैं आपसे इतना कहना चाहता हूं कि मेरी बात को सत्य मानते हुए, चूंकि हरदोई-लखनऊ लाइन इलेक्ट्रिफाइड हो गई है और वहां के लोगों को बहुत अधिक आवश्यकता

है, क्या आप दोबारा अपने विभाग को निर्देश देंगे कि इन चीजों का सर्वे कराकर, उसकी रिपोर्ट हमको भेजते, तो हम उसके आधार पर आपसे बात कर लेंगे? वहां पर रेल लाइन चल जाए, इसके लिए आप वहां पर ट्रायल की शुरूआत करवा दीजिए। क्या माननीय मंत्री जी, इसकी सदन में घोषणा करेंगे?

SHRI E. AHAMMED: Sir, on the basis of this assessment of the Railways, daily ticket and season ticket sold for the month of May 2010 to the passengers who travel specifically between Hardoi and Lucknow, this is the basis. On that basis, on each side, 3000 passengers travel. That is the basis. But all other issues that the hon. Members has raised here are matters to be looked into.

It is a matter to be looked into and I will assure him that his other lines and other things will definitely be looked into. But, at the same time, I would like to inform the hon. Member that there is a procedure for introduction of new trains or extra trains; that procedure has to be followed by the Railway, and according to that procedure, as I already mentioned, there are some more conditions which are to be fulfilled - availability of demand, availability of path, availability of stabling lines availability of railway infrastructure, availability of resources, availability of rolling stock, manpower requirement and impact on the freight traffic; these are the things which we will have to take into account before such a train is introduced, and there is also a procedure followed by three kinds of administrative levels. The first is the division level; the second is the zonal level; the third is the national level. At the national level, a Timetable Committee is there; that Committee looks into the things. Thereafter, a train can be introduced.

MR. CHAIRMAN: Thank you. ...*(Interruptions)*... Shri Selvaganpathi.

श्री नरेश चन्द्र अग्रवाल : माननीय सभापति महोदय, माननीय मंत्री सदन को गुमराह कर रहे हैं। ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति : अगर ऐसा है, तो आप लिखकर दे दीजिए। ...(**व्यवधान**)...

श्री नरेश चन्द्र अग्रवाल : अगर सदन में उत्तर नहीं मिलेगा तो न्याय कहां से मिलेगा? ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति : नहीं, नहीं। ...(**व्यवधान**)... देखिए, this is a serious matter. ...*(Interruptions)*...

श्री नरेश चन्द्र अग्रवाल : महोदय, हमारे क्षेत्र की बहुत बड़ी समस्या है। ...(**व्यवधान**)... तीन हजार टिकट बिके हैं। ...(**व्यवधान**)... मंत्री जी बताएं कि बगौली, ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति : प्लीज़। ...(**व्यवधान**)...

श्री नरेश चन्द्र अग्रवाल : मलीहाबाद, रहीमाबाद कहीं तो उन्होंने जोड़ा नहीं है। ...(**व्यवधान**)... सदन को तथ्यों से परे रखा जाएगा, तो हमें न्याय नहीं चाहिए? ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति : अगर आपको जवाब से कोई शिकायत है, तो आप इस सवाल को लिखकर दीजिए। ...(**व्यवधान**)...

श्री नरेश चन्द्र अग्रवाल : अगर सही जवाब है, तो हमें कोई शिकायत नहीं है। ...(**व्यवधान**)...

श्री कलराज मिश्र : श्रीमन्, जिसका नाम लिया गया है, उसका कहीं जिक्र नहीं है। ...(**व्यवधान**)...

श्री शिवानन्द तिवारी : बीच वाले का कहीं जिक्र नहीं है। ...(**व्यवधान**)...

श्री नरेश चन्द्र अग्रवाल : श्रीमन्, लखनऊ और हरदोई ...(**व्यवधान**)...

MR. CHAIRMAN: You see ***...(Interruptions)...*** Just one minute, please. ***...(Interruptions)...*** Just one minute, please. ***...(Interruptions)...*** If the question is factually wrong or if the question is misleading, then there is a procedure for raising it with the Minister concerned. ***...(Interruptions)...*** Please follow that procedure.

श्री नरेश चन्द्र अग्रवाल : श्रीमन्, जितने प्रोसिजर हैं, ...(**व्यवधान**)... हमें नियमावली के अनुसार चलने में कोई दिक्कत नहीं है। ...(**व्यवधान**)... आप इसको स्थगित कर दीजिए। ...(**व्यवधान**)... मंत्री जी तैयारी करके आएं और इसका जवाब दे दें। ...(**व्यवधान**)...

MR. CHAIRMAN: Just one minute. ***...(Interruptions)...***

श्री नरेश चन्द्र अग्रवाल : ये * मिनिस्टर हैं। ...(**व्यवधान**)... ***...(Interruptions)...***

श्री सभापति : प्लीज़, नरेश चन्द्र अग्रवाल जी, आप बैठ जाइए। ...(**व्यवधान**)...

SHRI PRASANTA CHATTERJEE: Sir, is the House run like this? ***...(Interruptions)...***

श्री सभापति : प्लीज़, नरेश अग्रवाल जी, आप बैठ जाइए। ...(**व्यवधान**)...

---

*Expunged as ordered by the Chair.

श्री नरेश चन्द्र अग्रवाल : नहीं, श्रीमन्, मुझे न्याय नहीं मिल रहा है। ...(**व्यवधान**)...

SHRI E. AHAMMED: Sir, I will never. ...*(Interruptions)*... I will never try to mislead. ...*(Interruptions)*... I will never mislead the House. ...*(Interruptions)*...

श्रीमती विप्लव ठाकुर : सर, ये किस तरह की बात कर रहे हैं? ...(**व्यवधान**)...

MR. CHAIRMAN: Why are you interfering in the matter? ...*(Interruptions)*... आप बैठ जाइए। ...(**व्यवधान**)...

श्रीमती विप्लव ठाकुर : सर, ये किस तरह की बात कर रहे हैं? ...(**व्यवधान**)...

MR. CHAIRMAN: Why are you interfering in the matter? ...*(Interruptions)*... Precious time is wasted in these futile discussions. ...*(Interruptions)*...

SHRI E. AHAMMED: Sir, if the hon. Member has anything specific, he may just write to me. ...*(Interruptions)*...

श्रीमती विप्लव ठाकुर : सर, ...(**व्यवधान**)...

SHRI NARESH CHANDRA AGRAWAL: Who is she? ...*(Interruptions)*... Who is she trying to advise, me? ...*(Interruptions)*...

MR. CHAIRMAN: I have called another Member. Will you please resume your place? ...*(Interruptions)*...

श्रीमती विप्लव ठाकुर : सर, ये किस तरह की बात कर रहे हैं? ...(**व्यवधान**)...

श्री दिनेश त्रिवेदी : यह बहुत गलत बात है, बहुत गलत बात है, * क्या होता है? ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति : अग्रवाल जी, आप सवाल पूछ चुके हैं, आप बैठ जाइए। ...(**व्यवधान**)... Please resume your place. ...*(Interruptions)*... Please resume your place. ...*(Interruptions)*...

SHRIMATI BRINDA KARAT: Sir, how is he speaking? ...*(Interruptions)*...

SHRI DINESH TRIVEDI: Sir, I am asking on behalf of the Government that it needs expunction ...*(Interruptions)*... What is * ? ...*(Interruptions)*...

SHRI PRASANTA CHATTERJEE: Why is he saying? ...*(Interruptions)*... The Minister for Health is saying that it needs expunction. Why is he asking?

---

*Expunged as ordered by the Chair.

SHRI DINESH TRIVEDI: I am asking on behalf of the Government. He said * ...*(Interruptions)*...

MR. CHAIRMAN: Just one minute, please. ...*(Interruptions)*...

SHRI DINESH TRIVEDI: He said * ...*(Interruptions)*...

MR. CHAIRMAN: Hon. Members, please sit down. ...*(Interruptions)*...

SHRI DINESH TRIVEDI: I am talking on behalf of the Government. ...*(Interruptions)*... You cannot say * ...*(Interruptions)*...

MR. CHAIRMAN: Will you, please, resume your places? ...*(Interruptions)*...

SHRI PRASANTA CHATTERJEE: Sir, what is this going on? ...*(Interruptions)*...

MR. CHAIRMAN: The House is not a wrestling arena. There are enough arenas in this city. Here, this is the Question Hour. It will be conducted according to the rules made by this House. ...*(Interruptions)*... If you get into extraneous discussions, time is wasted; Members will suffer; nobody else. Thank you. Go ahead.

श्री नरेश चन्द्र अग्रवाल : सर, माननीय मंत्री जी का उत्तर सही नहीं है, इसलिए मैं सदन का बहिष्कार करता हूं।

(तत्पश्चात् माननीय सदस्य सदन से उठकर बाहर चले गए)

SHRI T.M. SELVAGANPATHI: Sir, this question is pertaining to local trains between Lucknow and Hardoi in Uttar Pradesh.

There are number of towns from where thousands of passengers travel between one town to the other. They are all daily passengers or daily travellers. Such type of passengers are garnered by private bus operators. Has the Ministry done any survey on this? I would like to know whether it has got any holistic plan to cater to the needs of these daily passengers and whether it has got a list of towns, for example, in Tamil Nadu. ...*(Interruptions)*...

MR. CHAIRMAN: Does it relate to this question? It is a general question. ...*(Interruptions)*...

---

*Expunged as ordered by the Chair.

SHRI T. M. SELVAGANPATHI: It is related. ...*(Interruptions)*...

MR. CHAIRMAN: No. ...*(Interruptions)*...

SHRI T. M. SELVAGANPATHI: It is related, Sir. I will explain. I will just take one minute. It is with regard to local trains between one town and the other.

MR. CHAIRMAN: Both the towns are named. ...*(Interruptions)*...

SHRI T.M. SELVAGANPATHI: I am just giving an example.

MR. CHAIRMAN: No, please.

SHRI T. M. SELVAGANPATHI: Sir, there are many no. of towns like these. I am not asking about those towns. I am asking whether the Ministry has got any plan to cater to the needs of such passengers who travel between one town and the other. There are many towns like these throughout the country. Has the Ministry got a plan? Is the Ministry going to implement any such plan? This is my question.

SHRI E. AHAMMED: Sir, if the hon. Member had given me notice of this, I would have come prepared on this.

SHRI T.M. SELVAGANPATHI: I am just asking whether you have got a plan. Have you done any survey on this?

श्री ब्रजेश पाठक : सभापति जी, मेरा एक स्पेसिफिक सवाल है, क्योंकि आपने कहा है कि केवल प्रश्न से संबंधित बात ही पूछी जाए, तो मैं हरदोई के संबंध में माननीय मंत्री जी से प्रश्न पूछना चाहता हूं कि अंग्रेजों के जमाने में हरदोई से चलकर सांडी, माधवगंज, बिल्लाग्राम, मल्लावा, गनमुरादाबाद, बांदरमऊ, शफीपुर, उन्नाव, कानपुर होते हुए ट्रेन चला करती थी। यह ट्रेन अंग्रेजों के जमाने में चला करती थी। इसकी पटरी आज भी क्षतिग्रस्त रूप से पड़ी हुई है। मेरा सीधा-साधा सवाल है कि क्या मंत्री जी उस रूट पर, जो हरदाई, मल्लावा, माधवगंज, बिल्लाग्राम, शफीपुर, उन्नाव, कानपुर होते हुए जाता है, वहां फिर से ट्रेन चलाने का प्रयास करेंगे?

SHRI E. AHAMMED: Sir, let the hon. Member write to me. I will reply to him.

MR. CHAIRMAN: Thank you. Shri Jesudasu Seelam. ...*(Interruptions)*...

श्री ब्रजेश पाठक : मान्यवर, ये आश्वासन दें कि मैं लिखूंगा कि यह ट्रेन चलाने का प्रयास किया जाए। मेरा सवाल था, ट्रेन चलाने का प्रयास करेंगे कि नहीं, ये उस संबंध में हां या न में जवाब दें। ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति : यहां कैसे जवाब दिया जा सकता है ...(**व्यवधान**)...

श्री ब्रजेश पाठक : हमको केवल हां या न में जवाब चाहिए ...(**व्यवधान**)... अगर आप हमसे स्पेसिफिक क्वेश्चन पूछने के लिए कहते हैं, तो उनसे भी कहिए कि वे हां या न में जवाब दें ...(**व्यवधान**)... किसी विस्तृत भूमिका की आवश्यकता नहीं है ...(**व्यवधान**)... यह कहिए कि प्रयास करेंगे ...(**व्यवधान**)...

SHRI E. AHAMMED: In these circumstances, I will not be able to do. ...*(Interruptions)*... But if the hon. Member writes to me, I will reply to him. ...*(Interruptions)*...

श्री ब्रजेश पाठक : मेरी यह रिक्वेस्ट है ...(**व्यवधान**)... जवाब दें कि ...(**व्यवधान**)... प्रयास करेंगे कि नहीं करेंगे? ...(**व्यवधान**)... आप विचार करेंगे कि नहीं करेंगे? ...(**व्यवधान**)...

SHRI PRASANTA CHATTERJEE: The Minister says, "You write to me. I will reply to you". What is this? ...*(Interruptions)*...

श्री ब्रजेश पाठक : सर, विचार करने के लिए तो कह दीजिए ...(**व्यवधान**)...

SHRI PRASANTA CHATTERJEE: You have to protect us. ...*(Interruptions)*... One hon. Member has walked out. ...*(Interruptions)*...

Another Member has been denied his right. ...*(Interruptions)*... Why has he been denied? ...*(Interruptions)*... The Minister has not replied. ...*(Interruptions)*...

MR. CHAIRMAN: Everyone here is an unauthorised speaker. *(Interruptions)*... Please ...*(Interruptions)*... देखिए, आपने एक नया प्रपोजल दिया है ...(**व्यवधान**)...

श्री ब्रजेश पाठक : मेरा प्रपोजल नहीं है ...(**व्यवधान**)... मेरा माननीय मंत्री जी से सीधा-साधा अनुरोध है कि जो ट्रेन अंग्रेजों के जमाने में चलती थी, क्या आजादी के बाद की वर्तमान सरकार उस जगह पर फिर से ट्रेन चलाने का प्रयास करेगी कि नहीं करेगी ...(**व्यवधान**)... यह मेरा स्पेसिफिक सवाल है ...(**व्यवधान**)... हमें हां या न में जवाब चाहिए ...(**व्यवधान**)...

SHRI E. AHAMMED: Sir, I would like to say that expansion, extension, new trains and everything is a continuous process. There is a procedure for that. When it comes through the procedure, it will definitely be considered. Wherever it is possible we will do it. How can I say that this route or that route will be done? I am not able to say that. I don't have ...*(Interruptions)*...

श्री ब्रजेश पाठक : सभापति जी, हमारा माननीय मंत्री जी से यही तो सवाल है ...(**व्यवधान**)... कुछ तो जवाब दिलवा दीजिए ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति : पाठक जी, प्लीज़ आप बैठ जाइए ...(**व्यवधान**)...

श्री शिवानन्द तिवारी : कम से कम उसका सर्वे भी करा दीजिए ...(**व्यवधान**)...

श्री ब्रजेश पाठक : सभापति जी, हमें कुछ तो जवाब दिला दीजिए ...(**व्यवधान**)... हां या न में कुछ तो जवाब दिला दीजिए ...(**व्यवधान**)... यह कह दीजिए कि हम विचार करेंगे ...(**व्यवधान**)... हम स्वीकार करेंगे ...(**व्यवधान**)... यह कहलवा दीजिए कि विचार करेंगे ...(**व्यवधान**)...

श्री जुगुल किशोर : सभापति जी, यही कह दें कि नहीं चलाऊंगा ...(**व्यवधान**)...

SHRI JESUDASU SEELAM: He is obstructing me and taking my time. ...*(Interruptions)*...

MR. CHAIRMAN : Will you please ask your supplementary? ...*(Interruptions)*...

आप उनको सवाल पूछने दीजिए ...(**व्यवधान**)....

श्री ब्रजेश पाठक : सभापति जी, हां या न में यही बात कह दें कि ट्रेन चलाने के लिए विचार करूंगा ...(**व्यवधान**)... ये हां या न में बोल दें, मैं बैठ जाऊंगा ...(**व्यवधान**)...

MR. CHAIRMAN: Will you please ask your supplementary? ...*(Interruptions)*... This is not correct. You cannot hold ...*(Interruptions)*... This is all very improper. Please resume your place.

SHRI JESUDASU SEELAM: Sir, as per the reply given, there are 28 pairs of trains between Hardoi and Lucknow. The hon. Member has mentioned that there is lack of accommodation. Despite these 28 trains running, there is lack of accommodation and there is a dispute regarding the number of passengers. I think the Minister has not counted the number of tickets issued. Many people get their tickets issued but not from the counter. Secondly, is there any proposal before the hon. Minister to increase the quota of pairs of trains between Hardoi and Lucknow to ease out the difficulties of the passengers?

SHRI E. AHAMMED: Sir, taking into account the position of the traffic, the needful is done.

MR. CHAIRMAN: Q.No. 285. Shri B.S. Gnanadesikan is not here. Is there any supplementary?

*285. [The Questioner (Shri B.S. Gnanadesikan) was absent]